Chaudhary Ranbir Singh University, Jind
Department of Hindi
M.A. Hindi (CBCS Scheme)

Scheme and Syllabus
Approved by Post Graduate Board of Studies and Research

Semester I

Course Code	Nature	Title of Course	Credit	Tutorial	Practical	Total Credits	External Marks	Internal Marks	Max. Marks
HF 1001	Foundation	आदिकाल एवं मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	1	0	5	80	20	100
HC 1001	Core	आदिकाल एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य	4	1	0	5	80	20	100
HC 1002	Core	आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य	4	1	0	5	80	20	100
HC 1003	Core	हरियाणवी लोक साहित्य : हरियाणवी लोक नाट्य : सांग	4	1	0	5	80	20	100
HE 1001	Elective (I)	पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार	4	1	0	5	80	20	100
	Elective (II)	अनुवाद सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग	4	1	0	5	80	20	100

Semester II

Course Code	Nature	Title of Course	Credit	Tutorial	Practical	Total Credits	External Marks	Internal Marks	Max. Marks
HF 2001	Foundation	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	1	0	5	80	20	100
HC 2001	Core	भाषा विज्ञान के सिद्धान्त	4	1	0	5	80	20	100
HC 2002	Core	हिन्दी निबंध	4	1	0	5	80	20	100
HC 2003	Core	हरियाणवी लोक साहित्यः विविध आयाम	4	1	0	5	80	20	100
HE 2001	Elective (I)	संत रैदास के काव्य का विशेष अध्ययन	4	1	0	5	80	20	100
	Elective (II)	प्रयोजन मूलक हिन्दी	4	1	0	5	80	20	100

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)

सेमेस्टर–प्रथम

प्रश्न पत्र – 1

विषय : आदिकाल एवं मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास (Foundation Course)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड है।

- पहले खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम के तीन भागों में से प्रत्येक भाग से दो–दो दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक भाग से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा । चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है । प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। अतः यह प्रश्न 16×4=64 अंकों का होगा।
- दूसरा खण्ड लघु उत्तरात्मक प्रश्नों से संबंधित होगा । इस खण्ड में समूचे पाठ्यक्रम में से 6 लघु उत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । दिए गए 6 प्रश्नों में से विद्यार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगमग 120 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। अतः यह प्रश्न 4×4=16 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

भाग–एक :– साहित्येतिहास, साहित्येतिहास दर्शन, अवधारणा एवं विशेषताए, हिन्दी साहित्य के इतिहास, लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण की समस्या, आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रवृतियां।

भाग –दो :– भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्तिकाल एवं पुनर्जागरण, भक्तिकाल स्वर्णयुग, निर्गुण भक्ति काव्य : ज्ञानश्रयी काव्य की प्रवृत्तियां एवं प्रेमाश्रयी काव्य की प्रवृत्तियां, सगुण भक्ति काव्य : राम भक्ति काव्य की प्रवृतियां एवं कृष्ण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियां।

भाग –तीन :– रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिकाल–नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियां, रीतिसिद्ध काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियां, रीति मुक्त काव्य की परम्परा एवं प्रवृतियां।

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूची:–

1. रामचन्द्र शुक्ल :– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा,
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी :– हिन्दी साहित्य की भूमिका. राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
3. बाबू श्यामसुंदर दास हिंदी साहित्य :– इंडियन प्रेस इलाहाबाद
4. रामकुमार वर्मा :– हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नय साहित्य प्रेस, इलाहाबाद।
5. नगेन्द्र (संपादक) :– हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–प्रथम
प्रश्न पत्र – 2
आदिकाल एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य (Core)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रथम खण्ड दीर्घ प्रश्नों से संबधित हैं तो द्वितीय खण्ड लघु प्रश्नों से। प्रथम खण्ड के तीन भाग हैं। भाग एक और दो में दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। भाग तीन के अन्तर्गत 'सूरदास – निर्धारित 15 पद' और 'घनानन्द – निर्धारित 10 पद' पुस्तक से एक–एक व्याख्यात्मक पद्यांश दिया जाएगा। परीक्षार्थी दिये गए पद्यांश की संप्रसंग व्याख्या केन्द्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य स्पष्ट करते हुए करें।
- परीक्षार्थी प्रथम खण्ड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खण्ड के प्रत्येक भाग से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खण्ड के अन्तर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जायंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खण्ड के तीनों भाग की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

खण्ड–1

भाग–एक

अध्ययन के लिए अनुमोदित पाठ्य–ग्रंथ/निर्धारित पुस्तकें

1. कयमास वध : पृथ्वीराज रासो काव्य प्रकरण।
2. कबीरदास : कबीर वाणी, निर्धारित 10 पद (पद संख्या – 1, 2, 3, 4, 5, 10, 13, 17, 19, 25), 25 दोहे। आरंभ से 25 दोहे, सम्पादक डॉ. पारसनाथ तिवारी, प्रकाशक : राका प्रकाशन इलाहबाद (Text Book)

भाग–दो

अध्ययन के लिए अनुमोदित पाठ्य–ग्रंथ/निर्धारित पुस्तकें

1. नागमति वियोग खण्ड जायसी ग्रन्थावली, संपादक वासुदेव शरण अग्रवाल
2. तुलसीदास : सुन्दरकाण्ड ।
3. बिहारी सतसई : : निर्धारित 20 दोहे। दोहा संख्या – 1, 32, 35, 38, 62, 94, 121, 126, 141, 151, 162, 201, 255, 288, 300, 301, 316, 317, 331, 363. पुस्तक – "बिहारी रत्नाकार", संपादक जग्गनाथ दास रत्नाकर।

भाग–तीन

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय ग्रन्थ/पुस्तकें

1. सूरदास : भ्रमरगीत सार में से निर्धारित 15 पद (पद संख्या – 18, 20, 23, 25, 35, 38, 50, 52, 54, 57, 62, 64, 70, 100, 400), सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. घनानंद : निर्धारित 10 पद। पद संख्या – आरंभ के दस पद/कवित्य, संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूचीः–

1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत
3. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
4. तुलसीदास आधुनिक वातायन से रमेश कुंतल मेघ
5. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
6. तुलसीदास काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
7. मध्यकालीन हिंदी साहित्य : संवेदना, शास्त्र और समसामायिकता : तिवारी
8. मध्यकालीन संत साहित्य में सामाजिक समरसता : विनीता कुमारी
9. निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका : रामसजन पाण्डेय
10. बिहारी की काव्य दृष्टिकोण जय प्रकाश
11. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
12. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल : महेन्द्र कुमार
13. रीतिकवियों की मौलिक देन : किशोरी लाल
14. रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य : पूरनचंद टंडन
15. घनानंद :लल्लनराय
16. घनानंद काव्य और आलोचनाःकिशोरी लाल।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–प्रथम
प्रश्न पत्र – 3
आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य (Core)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देशः–

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रथम खण्ड दीर्घ प्रश्नों से संबधित हैं तो द्वितीय खण्ड लघु प्रश्नों से। प्रथम खण्ड के तीन भाग हैं। भाग एक और दो में दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। भाग तीन के अन्तर्गत 'चिन्तामणि' भाग–एक और 'आषाढ़ का एक दिन' पुस्तक से एक–एक व्याख्यात्मक गद्यांश दिया जाएगा। परीक्षार्थी दिये गए गद्यांश की संप्रसंग व्याख्या केन्द्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य स्पष्ट करते हुए करें।
- परीक्षार्थी प्रथम खण्ड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खण्ड के प्रत्येक भाग से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खण्ड के अन्तर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जायंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खण्ड के तीनों भाग की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

भाग–एक

पुस्तक–गोदान, लेखक प्रेमचन्द।

भाग–दो

पुस्तक – तेईस हिन्दी कहानियाँ, संपादक – जैनेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

भाग–तीन

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठयक्रम

पुस्तक–1 – चिन्तामणि (भाग–एक), लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से निम्नलिखित निबंध– (1) श्रद्धाभक्ति, (2) लोभ और प्रीति, (3) ईर्ष्या, (4) कविता क्या है, (5) काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था।

पुस्तक–2 – आषाढ़ का एक दिन (नाटक), लेखक मोहन राकेश।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें–

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्पविद्यान, लेखक डॉ. कमल किशोर गोयंका।
2. प्रेमचन्द : एक विवेचन, डॉ. इन्द्र नाथ मदान।

3. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र।
4. आधुनिक हिन्दी नाटक, डॉ. नागेन्द्र।
5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लेखक डॉ. रामचन्द्र तिवारी।
6. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, सम्पादक डॉ. देवीशंकर अवस्थी।
7. समकालीन कहानी : रचना मुद्रा, डॉ. पुष्पपाल सिंह।
8. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा।
9. प्रेमचन्द : एक साहित्यिक विवेचन, नंददुलारे वाजपेयी।
10. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह।
11. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)

सेमेस्टर–प्रथम

प्रश्न पत्र – 4

हरियाणवी लोक साहित्य : हरियाणवी लोक नाट्य : सांग (Core)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रथम खण्ड दीर्घ प्रश्नों से संबधित हैं तो द्वितीय खण्ड लघु प्रश्नों से। प्रथम खण्ड के तीन भाग हैं। भाग एक और दो में दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। भाग तीन के अन्तर्गत 'दयाचन्द मायना' और 'राय धनपत सिंह' कृत रचना क्रम में से एक–एक पद्यांश दिया जाएगा। परीक्षार्थी दिये गए पद्यांश की संप्रसंग, संसदर्भ व्याख्या केन्द्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य स्पष्ट करते हुए करें।
- परीक्षार्थी प्रथम खण्ड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खण्ड के प्रत्येक भाग से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खण्ड के अन्तर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जायंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खण्ड के तीनों भाग की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रम

भाग–एक

- हरियाणवी लोकनाट्य : अवधारणा और विकास
- हरियाणा प्रदेश की मंचीय कलाओं के संदर्भ में सांस्कृतिक एवं लोकरंजनकारी पृष्ठभूमि
- सांग की परिभाषा एवं स्वरूप, हरियाणवी सांग का उद्भव और विकास, सांग के विभिन्न अंग
- हरियाणवी लोकनाट्य सांग एवम् अन्य लोक विधाएं– लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, फुटकर रागणी, लोक नृत्य।
- हरियाणवी लोकनाट्य की कथ्य एवं शिल्पगत् विशेषताएँ।

भाग –दो

प्रमुख हरियाणवी लोकनाट्यकार : बाजे भगत

- बाजे भगत रचित सांग : 'गोपीचंद' तथा 'सत्यवादी हरिश्चंद्र'
- बाजे भगत का जीवन परिचय एवं दर्शन, लोकनाट्य परम्परा में बाजे भगत का स्थान,
- बाजे भगत की प्रणाली, बाजे भगत के सांगों की विषयवस्तु, बाजे भगत का काव्य कौशल

प्रमुख हरियाणवी लोकनाट्यकार : पण्डित लखमीचंद

- पण्डित लखमीचंद रचित सांग : 'शाही लक्कडहारा'तथा 'सेठ ताराचंद'
- पण्डित लखमीचंद का जीवन परिचय एवं दर्शन, पण्डित लखमीचंद के सांगों की विषयवस्तु, लोकनाट्य परम्परा में पण्डित लखमीचंद का स्थान, पण्डित लखमीचंद : परम्परा और संस्कृति, पण्डित लखमीचंद का काव्य कौशल, पण्डित लखमीचंद की प्रणाली

भाग –तीन

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठयक्रम

- लोकनाट्यकार राय धनपत सिंह कृत सांग : **'लीलो चमन'** तथा **'बादल बागी'**।
- लोकनाट्यकार महाशय दयाचंद मायना कृत सांग : **'पूर्णिमा प्रकाश'** तथा **'ब्रिगेडियर होशियार सिंह'**।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें (Prescribed Text Books) :

1. बाजे भगत ग्रन्थावली, सम्पादक डॉ. रामफल चहल, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।
2. पण्डित लखमीचंद ग्रन्थावली, संपादक डॉ. पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।
3. धनपत सिंह ग्रंथावली, संपादक डॉ. राजेन्द्र बड़गूजर, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।
4. महाशय दयाचन्द मायना ग्रन्थावली, संपादक डॉ. राजेन्द्र बड़गूजर, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।

संस्तुत सहायक ग्रंथ

1. डॉ. कुंदन लाल उत्प्रेती, लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
2. डॉ. पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा की लोक धर्मी नाट्य परम्परा, हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला।
3. डॉ. भीम सिंह मलिक, हरियाणी लोक साहित्य : सांस्कृतिक संदर्भ, चिंता प्रकाशन, पिलानी राज.
4. डॉ. राम मेहर सिंह, हरियाणा का लोक नाट्य : सांग, उदभव और विकास, मनुराज प्रकाशन, गुरूग्राम ।
5. डॉ. विजयेंद्र सिंह, हरियाणा के सांगों में सौंदर्य निरूपण, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
6. डॉ. शंकरलाल यादव, हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, हिंदुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
7. डॉ. श्याम परमार, लोकधर्मी नाट्य परम्परा, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–प्रथम
प्रश्न पत्र – 5
Elective I
पत्रकारिता एवं मीडिया (Elective I) एंव जनसंचार

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड होंगे। पहले खण्ड में प्रत्येक भाग से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को उन दोनों में से किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा अर्थात प्रत्येक भाग से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। चौथे प्रश्न का चयन विद्यार्थी द्वारा किसी भी भाग से किया जा सकता है। इस प्रकार विद्यार्थी को चार आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने आवश्यक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार यह भाग 16x4=64 अंक का होगा।
- द्वितीय खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार यह खण्ड 4x4=16 अंक का होगा।

अध्ययन एवं परीक्षा हेतु निर्धारित पाठ्य विषय

भाग–क

- पत्रकारिता– परिभाषा एवं स्वरूप,
- पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास,
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता,
- 21वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व,
- पत्रकारिता का व्यवसायीकरण ।

भाग–ख

- समकालीन हिन्दी मीडिया
- प्रिन्ट मीडिया –प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ।
- संपादन कला
- इलेक्ट्रानिक मीडिया–रेडियो,टेलिविजन ,इन्टरनेट मीडिया।
- कोविड–19 के पश्चात् परिवर्तित एवं प्रभावी मीडिया ,चुनौतियां एवं सम्भावनाएं।

भाग–ग

- मीडिया लेखन– समाचार, फीचर, साक्षात्कार, रिपोर्ताज लेखन, कवर स्टोरी, पटकथा, डाक्यूमेंट्री, ब्लॉग, ब्लुक, वीलॉग, पॉडकास्ट। इनसेट, कवरस्टोरी, सबहैडिंग, फॉलोअप, बाईलाइन, ब्लोअप, स्टिंग आप्रेशन, ई –पेपर, ई– मैगज़ीन, लोकल मीडिया चैनल का त्वरित प्रसार एवं प्रभाव।
- इलैक्ट्रानिक मीडिया की भाषा की प्रकृति।

संस्तुत सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास – अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – अजय कुमार सिंह, लोक भारती, इलाहबाद
3. हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिमान – डॉ. सतीश कुमार राय, लोक भारती, इलाहबाद
4. जनसंचार – सं. राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
5. संचारभाषा हिन्दी – सूर्यकुमार दीक्षित, लोकभारती, दिल्ली
6. पत्रकारिता हेतु लेखन – डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली
7. मीडिया लेखन : सिद्धान्त और प्रयोग – मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
9. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, सं. आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. समकालीन हिन्दी मीडिया – सं. विजय दत्त श्रीधर, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
11. वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली

17

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–प्रथम
प्रश्न पत्र – 5
Elective II
अनुवाद सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग (Elective II)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देशः–

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रथम खण्ड दीर्घ प्रश्नों से संबधित हैं तो द्वितीय खण्ड लघु प्रश्नों से। प्रथम खण्ड के तीन भाग हैं। भाग एक और दो में दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। भाग तीन के अन्तर्गत अमुक पुस्तक से अंग्रेजी के दो अवतरण अनुदित करने के लिए दिए जाएगें।
- परीक्षार्थी प्रथम खण्ड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खण्ड के प्रत्येक भाग से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खण्ड के अन्तर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जायंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खण्ड के तीनों भाग की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

भाग–एक

1. अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद की परिभाषाएँ
2. अनुवाद का इतिहास : भारतीय एवं पाश्चात्य
3. अनुवाद के प्रकार

भाग–दो

1. अनवाद सिद्धान्त
2. अनुवाद प्रक्रिया समतुलिता
3. अनुवाद की प्रक्रिया
4. अनुवाद की समस्या, अनुवादक की समस्या, पाठक की समस्या, पाठ की समस्या
5. अनुवाद का महत्त्व एवं औचित्य
6.

भाग–तीन

1. अमुक अंग्रेजी पुस्तक *Charlotte's Web* by E.B. White का हिन्दी अनुवाद

संस्तुत सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग, लेखक जी. गोपीनाथन, प्रकाशक लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद।
2. अनुवाद कला कुछ विचार, लेखक जैनेन्द्र कुमार।
3. अनुवाद विज्ञान, लेखक भोलानाथ तिवारी।
4. अध्ययन का परिदृश्य, लेखक देवशंकर नवीन।
5. पत्रकारिता में अनुवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, रमेश जैन, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
7. अनुवाद प्रक्रिया, रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद, आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति, दिल्ली।
9. अनुवाद कला, विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)

सेमेस्टर–द्वितीय

प्रश्न पत्र – 1

विषय : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास (Foundation Course)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड है।

- पहले खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम के तीन भागों में से प्रत्येक भाग से दो–दो दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक भाग से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा । चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है । प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। अतः यह प्रश्न 16×4=64 अंकों का होगा।
- दूसरा खण्ड लघु उत्तरात्मक प्रश्नों से संबंधित होगा। इस खण्ड में समूचे पाठ्यक्रम में से 6 लघु उत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। दिए गए 6 प्रश्नों में से विद्यार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। अतः यह प्रश्न 4×4=16 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

खण्ड–1

भाग–एक

- आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्टभूमि एवं नवजागरण और सामाजिक सुधार आंदोलन (आर्य समाज, ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन) राष्ट्रीय चेतना
- भारतेंदु युग की प्रवृत्तियाँ एवं कविं
- द्विवेदी युग की प्रवृत्तियाँ एवं कवि।

भाग –दो

- छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं कवि।
- भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन और छायावाद।
- प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ एवं कवि।

भाग –तीन

- प्रयोगवाद की प्रवृत्तियाँ एवं तारसप्तक।
- साठोत्तरी कविता आन्दोलन एवं नई कविता की प्रवृत्तियाँ।
- दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श की विशेषताएँ।

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूचीः–

1. रामचन्द्र शुक्ल :– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा,
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी :– हिन्दी साहित्य की भूमिका. राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
3. बाबू श्यामसुंदर दास हिंदी साहित्य :– इंडियन प्रेस इलाहाबाद
4. रामकुमार वर्मा :– हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नय साहित्य प्रेस, इलाहाबाद।
5. नगेन्द्र (संपादक) :– हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. हरिश्चन्द्र वर्माः हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरियाणा साहित्य अकादमी. पंचकूला।.

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–द्वितीय
प्रश्न पत्र – 2
विषय : भाषा विज्ञान के सिद्धान्त (Core)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड है।

- पहले खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम के तीन भागों में से प्रत्येक भाग से दो–दो दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक भाग से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा । चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। अतः यह प्रश्न 16×4=64 अंकों का होगा।
- दूसरा खण्ड लघु उत्तरात्मक प्रश्नों से संबंधित होगा। इस खण्ड में समूचे पाठ्यक्रम में से 6 लघु उत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। दिए गए 6 प्रश्नों में से विद्यार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। अतः यह प्रश्न 4×4=16 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

खण्ड–1

भाग–एक

- भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रवृत्तियाँ
- भाषा के विभिन्न रूप – परिनिष्ठित भाषा, विभाषा (बोली), मातृ भाषा, राज भाषा, राज्य भाषा
- भाषा परिवर्तन से अभिप्राय एवं भाषा परिवर्तन के कारण

भाग –दो

- भाषा विज्ञान का प्राचीन इतिहास – पाणिनि पूर्वकाल, शिक्षा, प्रातिशाख्य, निरूक्त, व्याकरण।
- पाणिनि, कात्यायन और पतंजलि।
- आधुनिक भाषा विज्ञान का इतिहास।
- भाषाओं का वर्गीकरण – आकृतिमूलक वर्गीकरण और पारिवारिक वर्गीकरण।
- संसार के प्रमुख भाषा परिवारों का परिचय।

भाग –तीन

- ध्वनि विज्ञान – ध्वनि के तीन पक्ष, ध्वनि के प्रकार व वर्गीकरण, ध्वनि यंत्र का सचित्र अध्ययन
- अर्थ विज्ञान – शब्द एवं अर्थ से अभिप्राय और दोनों अर्थ के पारस्परिक संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं
- वाक्य विज्ञान – वाक्य का स्वरूप, परिभाषा एवं प्रकार।

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूची:–

1. बाबू राम सक्सेना, 'सामान्य भाषा विज्ञान'
2. आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, 'भाषा विज्ञान की भूमिका'
3. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, 'भाषा विज्ञान : सैधान्तिक चिन्तन'
4. वैश्णा नारंग, 'समसामयिक भाषा विज्ञान'
5. भोलानाथ तिवारी, 'भाषा विज्ञान'

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–द्वितीय
प्रश्न पत्र – 3
विषय : हिन्दी निबंध (Core)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रथम खण्ड दीर्घ प्रश्नों से संबधित हैं तो द्वितीय खण्ड लघु प्रश्नों से। प्रथम खण्ड के तीन भाग हैं। भाग एक और दो में दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। खण्ड दो के अन्तर्गत निर्धारित निबंधों में से व्याख्यात्मक गद्यांश दिये जाएगें। परीक्षार्थी दिये गए गद्यांशों की संप्रसंग व्याख्या केन्द्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य स्पष्ट करते हुए करें।
- परीक्षार्थी प्रथम खण्ड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खण्ड के प्रत्येक भाग से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खण्ड के अन्तर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जायंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खण्ड के तीनों भाग की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

खण्ड–1

भाग–एक

- शिवशंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त

भाग –दो

- चिन्तामणि भाग–1 – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

भाग –तीन

- अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

खण्ड–2

- अंग्रेजी स्त्रोत – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- नयनों का गंगा – सरदार पूर्ण सिंह
- कछुआ धर्म – चंद्रधर शर्मा "गुलेरी"
- प्रिया नीलकंठी – कुबेरनाथ राय

- मैं हजाम हूँ – शिवपूजन सहाय
- हिन्दी संत काव्य में आध्यात्म तत्व – डॉ. मनमोहन सहगल

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूची:–

1. डॉ. ओंकारनाथ शर्मा, 'हिन्दी–निबंध का विकास'
2. राजेन्द्र सिंह गौड़, 'निबन्ध कला'
3. डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदी, 'निबन्धः सिद्धान्त और प्रयोग'
4. मदन गोपाल, 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र'
5. भाषा विभाग, पंजाब पटियाला, 'आलोचनात्मक निबन्ध'
6. वासुदेवनंदन प्रसाद, 'साहित्य के विविध संदर्भ'
7. डॉ. भगवानदास तिवारी, 'हिन्दी काव्य के विविध परिदृश्य'
8. श्री नरेशचन्द्र चतुर्वेदी, 'साहित्य–चिन्तन'
9. डॉ. नागेन्द्र, 'विचार और विवेचन'
10. प्रभाकर मिश्र, 'निबन्धकार अज्ञेय'
11. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपादक), 'रामचन्द्र शुक्ल'
12. श्री दुर्गाशंकर मिश्र, 'अनुभूति और अध्ययन'
13. रघुनन्दन शास्त्री (संपादक), 'चिन्तना' (हिन्दी के विचारात्मक तथा आलोचनात्मक निबंधों का संग्रह)

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर–द्वितीय
प्रश्न पत्र – 4
विषय : हरियाणवी लोक साहित्यः विविध आयाम (Core)

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड है।

- पहले खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम के तीन भागों में से प्रत्येक भाग से दो–दो दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक भाग से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा । चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है । प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। अतः यह प्रश्न 16×4=64 अंकों का होगा।
- दूसरा खण्ड लघु उत्तरात्मक प्रश्नों से संबंधित होगा । इस खण्ड में समूचे पाठ्यक्रम में से 6 लघु उत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । दिए गए 6 प्रश्नों में से विद्यार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगमग 120 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। अतः यह प्रश्न 4×4=16 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

खण्ड–1

भाग–एक

- लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, विशेषताएं । हिंदी भाषा व साहित्य में लोक साहित्य का योगदान। हरियाणा की लोक संस्कृति का अभिन्न अंग हरियाणवी लोक साहित्य।
- लोक कथाःलोककथा की उत्पत्ति, परिभाषा एवं स्वरूप, परंपरा। हरियाणवी लोक कथा : विशेषताएं, शैली, प्रकार, सांस्कृतिक महत्व।

भाग–दो

- लोक गाथाः उत्त्पति, परिभाषा एवं स्वरूप, हरियाणवी लोककथा की विशेषताएं, शैली, सांस्कृतिक महत्व।
- लोकवार्ता : सैद्धांतिक विवेचन, लोकवार्ता तथा फॉक लोर, हरियाणवी लोक वार्ता : विषय विशेषताएं, शैली, सांस्कृतिक महत्व।

भाग–तीन

- लोक गीतः परिभाषा, लक्षण तथा विशेषताएं । हरियाणवी लोकगीतः परम्परा, विशेषताएं, प्रकार, हरियाणवी लोकगीतों की मनोभूमि, लोक गीतों में संगीत विधान एवं वाद्य यंत्र, लोकगीतों का सांस्कृतिक महत्व।

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूची:–

1. लोक साहित्य विज्ञान – सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य की भूमिका – कृष्ण देव उपाध्याय
3. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ धीरेंद्र वर्मा
4. लोकगीतों का सांस्कृतिक विश्लेषण – डॉक्टर भीम सिंह मलिक।
5. हरियाणवी लोक साहित्यः विविध आयाम – डॉक्टर राम मेहर सिंह।
6. हरियाणा की उपभाषाएं – साधुराम शारदा
7. हरियाणवी लोक गीत – साधुराम शारदा।
8. हरियाणवी लोक कथाएं – शंकर लाल यादव
9. भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार
10. हरियाणा का लोक साहित्य – शंकर लाल यादव ।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर– द्वितीय
प्रश्न पत्र – 5
Elective I
विषय : संत रैदास के काव्य का विशेष अध्ययन

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

- इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रथम खण्ड दीर्घ प्रश्नों से संबधित हैं तो द्वितीय खण्ड लघु प्रश्नों से। प्रथम खण्ड के तीन भाग हैं। भाग एक और दो में दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। भाग तीन के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम से दो व्याख्यात्मक पद्यांश दिये जाएगें। परीक्षार्थी दिये गए पद्यांशों की संप्रसंग व्याख्या केन्द्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य स्पष्ट करते हुए करें।
- परीक्षार्थी प्रथम खण्ड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खण्ड के प्रत्येक भाग से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खण्ड के अन्तर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जायंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खण्ड के तीनों भाग की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रम :–

खण्ड–1

भाग–क

- संत काव्य का व्यवहारिक आधारभूत ढांचा, संत काव्य की परंपरा, संत काव्य का सामाजिक प्रभाव, संत काव्य की प्रासंगिकता।
- संत रैदास का परिचय, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, जीवन दर्शन और साहित्य।

भाग–ख

- संत रैदास की बेगमपुरा की परिकल्पना, रैदास की वाणी की प्रासंगिकता, रैदास के काव्य में सामाजिकता, अनुभूति पक्ष।
- संत रैदास की लोक छाया, रैदास का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव, रैदास की भक्ति भावना, रैदास का समाज दर्शन, रैदास के आलोचक, रैदास की भाषा, रैदास की काव्य कला, रैदास का सामाजिक विद्रोह, वर्तमान परिपेक्ष्य में विमर्श और रैदास।

भाग–ग

- व्याख्या हेतु – **मेरे राम का रंग मजीठ है** – सदानंद शाही (41 प्रमाणिक पद)

- लघुतरीय प्रश्नों के लिए – रैदास, दादू, मलूक दास, रज्जब, सूरदास, गरीबदास, सहजोबाई आदि संतों का जीवन वृत और साहित्यवृत ।

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूचीः–

1. गुरूग्रंथ साहब – गुरू अर्जुन देव जी (41 पद)
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोक भारती, इलाहबाद।
3. गुरू रविदास की निर्गुण भक्ति – डॉ. मीरा गौतम
4. कबीर – सम्पादक विजयेन्द्र स्नातक, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. कबीर वचनामृत – सम्पादक विधा निवास मिश्र, प्रभात प्रकाशन, चावड़ी बाजार, दिल्ली।
6. कबीर पदावली – रामकुमार वर्मा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपित चन्द्रगुप्त
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ नगेन्द्र
9. गुरू रविदास वाणी एवं महत्व – संपादक डॉ. मीरा गौतम
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
11. हिन्दी भक्ति काव्य – डॉ. मीरा गौतम
12. संत रविदास और कबीरदास वाणी का अध्ययन – डॉ. कामराज सिंधु

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
सेमेस्टर– द्वितीय
प्रश्न पत्र – 5
Elective II
विषय : प्रयोजन मूलक हिन्दी

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

लिखित परीक्षा : 80 आंतरिक मूल्यांकन : 20

आवश्यक निर्देश :–

इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड है।

- पहले खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम के तीन भागों में से प्रत्येक भाग से दो–दो दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक भाग से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा । चौथे प्रश्न का चयन किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। अतः यह प्रश्न 16×4=64 अंकों का होगा।
- दूसरा खण्ड लघु उत्तरात्मक प्रश्नों से संबंधित होगा । इस खण्ड में समूचे पाठ्यक्रम में से 6 लघु उत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । दिए गए 6 प्रश्नों में से विद्यार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगमग 120 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। अतः यह प्रश्न 4×4=16 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :– खण्ड–1

भाग–एक

1. पत्रों के संबंध में कार्य–पद्धति
   1.1 पत्र–लेखन : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
   1.2 निजी और औपचारिक पत्राचार
   1.3 संस्थागत और सरकारी पत्रो की कार्य–पद्धति
   1.4 सरकारी पत्राचार और हिन्दी
2. सरकारी पत्रों के प्रकार
   2.1 पत्र–लेखन के सोपान और प्रक्रिया
   2.2 सरकारी पत्रों का वर्गीकरण और प्रकार
   2.3 विभिन्न प्रकार के पत्रों का व्यावहारिक अभ्यास

भाग –दो

1. प्रारूपण और टिप्पण–लेखन
   1.1 प्रारूपण और टिप्पण में अन्तर
   1.2 प्रारूपण के प्रकार
   1.3 उत्कृष्ट प्रारूपण की विशेषताएँ
   1.4 टिप्पण–लेखन के प्रकार
   3.5 उत्कृष्ट टिप्पण लेखन की विशेषताएँ
   3.6 प्रारूपण एवं टिप्पण–लेखन संबंधी व्यावहारिक अभ्यास

2. सार–लेखन
   2.1 सार–लेखन का महत्त्व और उपयोगिता
   2.2 साहित्यिक और सरकारी
   4.3 उत्कृष्ट सार–लेखन की विशेषताएँ
   2.4 सार–लेखन संबंधी व्यावहारिक अभ्यास

भाग –तीन

1. सामान्य प्रशासनिक शब्दावली
   1.1 प्रशासनिक शब्दावली आयोग : गठन एवं महत्त्व
   1.2 प्रशासनिक शब्दावली : आवश्यकता एवं महत्त्व
   1.3 प्रशासनिक शब्दावली : विकास–प्रक्रिया
   1.4 प्रशासनिक शब्दावली : आधारभूत रचना एवं सिद्धान्त
   1.5 प्रशासनिक शब्दावली : व्यावहारगत उपयोगिता एवं सीमाएँ

अध्ययन हेतु सहायक ग्रन्थ सूची:–

1. व्यावहारिक हिन्दी – भाग–1, ओम प्रकाश सिंहल, उमापति राय चंदेल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
2. व्यावहारिक हिन्दी – भाग–2, ओम प्रकाश सिंहल, उमापति राय चंदेल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
3. टिप्पण, प्रारूपण तथा प्रूफ पठन, ओम प्रकाश सिंहल, उमापति राय चंदेल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
4. व्यावहारिक हिन्दी, (सम्प्रेषण विधि एवं प्रयोग) गौतम कुमार कौशल, मार्डन पब्लिशर्ज, नई रेलवे रोड़, जालंधर।
5. कार्यालय हिन्दी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
6. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ– रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव तथा रमाकान्त सहाय (संपादक), केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा।
7. कार्यालय सहायिका – केन्द्रीय हिन्दी सचिवालय हिन्दी परिषद् नई दिल्ली।
8. सरकारी कामकाज हिन्दी में, हिन्दी–प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
9. व्यावहारिक तथा प्रशासनिक पत्र, विश्वनाथ अय्यर।
10. राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम (संपादक) डॉ. मलिक मुहम्मद।
11. प्रयोजन – मूलक हिन्दी, केन्दीय हिन्दी संस्थान, आगरा।